जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

23 सितंबर, 2024

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया में एडवांस्ड ड्रग डिजाइनिंग और कम्प्यूटेशनल जीव विज्ञान विषय पर कार्यशाला का शानदार समापन

रसायन विज्ञान विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया द्वारा एडवांस्ड ड्रग डिजाइनिंग और कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी विषय पर आयोजित सप्ताह भर की कार्यशाला का सफलतापूर्वक समापन हुआ, जो औषधि खोज और कम्प्यूटेशनल कम्प्यूटेशनल जीव विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ।

कार्यशाला का उद्घाटन दिनांक 16 सितंबर 2024 को हुआ और और इसमें मुख्य संरक्षक और मुख्य अतिथि प्रो मोहम्मद शकील, माननीय कुलपति, जामिया मिल्लिया इस्लामिया , विशिष्ट अतिथि प्रो रमेश सी. डेका माननीय कुलपति कॉटन यूनिवर्सिटी गुवाहाटी, विशिष्ट अतिथि प्रो जी पी एस राघव आईआईआईटी दिल्ली (शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार विजेता), विशिष्ट अतिथि डॉ. समन हबीब मुख्य वैज्ञानिक सीडीआरआई लखनऊ की उपस्थिति से सभी प्रतिभागी लाभान्वित हुये । कार्यशाला की अध्यक्षता प्रो सईद उद्दीन, डीन, विज्ञान संकाय ने की और संस्थान के एसपीएआरसी समन्वयक प्रो जाहिद अशरफ ने इसका समन्वय किया।

कार्यशाला में भारत भर के 25 प्रतिष्ठित संस्थानों से सौ से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिससे ज्ञान साझा करने, नेटवर्किंग और कौशल विकास हेतु एक मंच उपलब्ध हुआ। अमेरिका के नेब्रास्का मेडिकल सेंटर विश्वविद्यालय के प्रो जोनाथन एल वेनरस्ट्रॉम और अमेरिका के कैनसस विश्वविद्यालय के प्रो अपूर्वा दत्ता सहित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों द्वारा 20 से अधिक व्याख्यान दिए गए, जिसमें अत्याधुनिक तकनीकों तथा उन्नति संबंधी मूल्यवान जानकारी दी गई। इस कार्यशाला में प्रतिभागी सीएसआईआर-सीडीआरआई लखनऊ, इंटरनेशनल सेंटर फॉर जेनेटिक इंजीनियरिंग एंड बायोटेक्नोलॉजी (आईसीजीईबी), नई दिल्ली, आईआईटी दिल्ली, आईआईएससी बेंगलुरु, जेएनयू नई दिल्ली, तेजपुर विश्वविद्यालय असम, जामिया हमदर्द, दिल्ली विश्वविद्यालय और राष्ट्रीय महत्व के अन्य संस्थानों के प्रख्यात वैज्ञानिकों के साथ गहन वैज्ञानिक चर्चा में शामिल हुए ।

व्यापक कार्यक्रम में 12 विशेषज्ञों द्वारा 24 घंटे के व्यावहारिक सत्र, इंटरैक्टिव चर्चाएं और व्यावहारिक प्रशिक्षण शामिल थे, जिसमें परिशुद्धता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता-संचालित औषधि की खोज और ट्रांसलेशनल अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित किया गया । सैद्धांतिक और व्यावहारिक शिक्षा के उनके अनूठे मिश्रण ने प्रतिभागियों को उन्नत औषधि डिजाइनिंग और कम्प्यूटेशनल जीव विज्ञान की समझ को गहरा करने में सक्षम बनाया। कार्यशाला का आयोजन भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा स्पार्क कार्यक्रम के तत्वावधान में किया गया, जिसका राष्ट्रीय स्तर पर समन्वय आईआईटी, खड़गपुर द्वारा किया गया।

कार्यशाला के प्रतिभागियों ने कार्यशाला की प्रशंसा की और एक प्रतिभागी ने यह कहा कि "यह कार्यशाला एक समृद्ध अनुभव रही है, जिसने उन्नत औषधि डिजाइनिंग और कम्प्यूटेशनल जीव विज्ञान में बहुमूल्य अंतर्दृष्टि प्रदान की है।"

कार्यशाला के संयोजक प्रो नसीमुल होदा ने कहा, "इस कार्यशाला ने सार्थक संबंधों और ज्ञान साझाकरण को बढ़ावा दिया है, जिससे मानव स्वास्थ्य में सुधार के लिए औषधि डिजाइन और कम्प्यूटेशनल जीव विज्ञान में प्रगति को बढ़ावा मिला है।" कार्यशाला का समापन प्रो इमरान अली द्वारा सबसे अधिक उद्धृत वैज्ञानिक और जामिया के रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष के समापन उद्बोधन से हुआ।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया